मुद्रित पृष्ठों की संख्या 8

अनुक्रमांक

नाम

901

801(MA)

2020
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र आलोचना साहित्य के जनक माने जाते हैं।

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध निबन्धकार हैं।

(iii) 'मित्रता' निबन्ध के लेखक रायकृष्ण दास हैं।

(iv) 'गुनाहों का देवता' के रचनाकार मुंशी प्रेमचन्द हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

(i) 'आवारा मसीहा' (ii) 'अर्द्ध नारीश्वर'

(iii) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' (iv) 'पंचवटी'

(ग) 'यात्रा के पत्रे' किस विधा पर आधारित रचना है ? 1

(घ) 'सरस्वती' पत्रिका किस युग में प्रकाशित हुई ? 1

(ङ) 'ठलुवा क्लब' के लेखक का नाम लिखिए। 1

2. (क) प्रगतिवादी कविता की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2

(ख) रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए। 2

(ग) 'तीसरा सप्तक' काव्य संग्रह का प्रकाशन किस वर्ष में हुआ ? 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। <u>उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है।</u> पर कुछ समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक हो जायेगा और आज जो तरुण हैं, वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान में तरुणों का दूसरा दल आ जायेगा, जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के ही स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'दूर के ढोल सुहावने होते हैं,' का आशय लिखिए।

VERTEXAL

(ख) ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दुःख उठाता है जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर, ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक ने ईर्ष्या को अनोखा वरदान क्यों कहा है?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1+4+1=6

(क) सब तीर्थों का एक तीर्थ यह
हृदय पवित्र बना लें हम
आओ यहाँ अजातशत्रु बन,
सबको मित्र बना लें हम।
रेखाएँ प्रस्तुत हैं, अपने
मन के चित्र बना लें हम।
सौ-सौ आदर्शों को लेकर
एक चरित्र बना लें हम।

(ख) मोर-पखा सिर ऊपर राखिहौं, गुंज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पीताम्बर लै लकुटी, बन गोधन ग्वारन संग फिरौंगी।।
भावतो वोहि मेरो रसखानि, सो तेरे कहें सब स्वांग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की, अधरान धरी अधरा न धरौंगी।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2+1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ii) भगवतशरण उपाध्याय

(iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी रचना का नाम लिखिए : 2+1

(i) तुलसीदास

(ii) सुभद्रा कुमारी चौहान

(iii) श्याम नारायण पाण्डेय

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+3

नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तर दातुं समर्थः न अभवत्, अतः ग्रामीणाम् अवदत्, अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि। इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत्, यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि। अतः म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारं दशरूप्यकाणि दत्तानि।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

VERTEXAL

7\. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1

(i) नीर-क्षीर विषये हंसस्य का विशेषता अस्ति ?

(ii) वीरः केन पूज्यते ?

(iii) ग्रामीणान् कः उपाहसति ?

(iv) विद्या केन वर्धते ?

8\. (क) करुण अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) उपमा अथवा रूपक अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ग) सोरठा अथवा रोला छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

9\. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1+1+1=3

(i) अ (ii) अधि (iii) अनु

(iv) सह (v) अभि (vi) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2

(i) आई (ii) त्व (iii) पन

(iv) हट (v) वट (vi) ता

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के विग्रह सहित समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) चरणकमल (ii) नवरत्न

(iii) चक्रपाणि (iv) उत्थान-पतन

(v) पंचानन (vi) सप्तर्षि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) आज (ii) अमावस (iii) चौराहा

(iv) चना (v) कुआँ (vi) बत्ती

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1+1=2

(i) उन्नति (ii) गृह (iii) बादल

(iv) मछली (v) हाथी

10\. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम भी लिखिए : 1+1=2

(i) एक+एकः (ii) अद्य+एव

(iii) प्रति+उत्तरम् (iv) अभि+उत्तरम्

(v) अभि+उदयः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन में लिखिए : 1+1=2

(i) मधु अथवा नदी

(ii) तद् (पुल्लिंग) अथवा युष्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) अपठत (ii) हसामः (iii) पश्येत् (iv) पचन्तु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1+1=2

(i) ग्रामीण शिक्षा के प्रति जागरूक हैं।

(ii) हमें देशभक्त होना चाहिए।

(iii) विद्या सभी धनों में श्रेष्ठ है।

(iv) जन्मभूमि स्वर्ग से भी बड़ी है।

VERTEXAL

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) जनसंख्या वृद्धि एक अभिशाप

(ii) वृक्षारोपण का महत्त्व

(iii) जीवन में खेलकूद की उपयोगिता

(iv) सदाचार

(v) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार द्वितीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) (i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के राजसूय यज्ञ सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' के आधार पर 'राम-भरत' मिलन की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु सारांश में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग मेघनाथ-प्रतिज्ञा की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की किसी प्रमुख घटना की कथा संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

VERTEXAL